Rajkiya Mahavidyalaya Amori (Champawat)
Email: gdcamori@gmail.com Website: www.gdcamori.in

Date: 13-03-2024

The list and description of courses which address professional ethics gender human value environment and systematically in the curriculum

1.3.1 Institution integrates crosscutting issues relevant to Professional Ethics, Gender, Human Values, Environment and Sustainability in transacting the Curriculum

S.N.	Description of the critical issues	Title of the course	Unit	Remarks
1	Ethics	B.A. 6th Semester Degree Course in ARTS-Hindi	Paper-II	लोक साहित्य, लोकगीत, लोक कथा, लोक गाथा
2	Human Values	B.A. Ist Semester Certificate Course in ARTS-Hindi	Paper-I	भक्तिकालीन हिन्दी काव्य, निर्गुण काव्य व ज्ञानमार्ग व प्रेममार्ग, श्रीराम चरित मानस
		B.A. IInd Semester Certificate Course in ARTS- Hindi	Paper I	त्यागपत्र, उपन्यास, नमक का दरोगा–प्रेमचन्द नमक का दरोगा–जैनेन्द्र
3	Gender	Semester: IV Diploma in POLITICAL THEORY AND PRACTICE	Paper-I	Issues: Caste, Class, Gender, Region in Indian Politics
4	Environment Studies And Value Education	SEMESTER -II	Co-curricular course	Environment Studies And Value Education
5	Environmental Studies	SEMESTER -III B.A.3rd Semester Education	Paper-I	Concept and Definition of Environment Environment and their Importance
6	MANAGEMENT PARADIGMS FROM BHAGAVAD GITA	SEMESTER -III Under Graduation	Co-curricular Course	The notion of Spirituality, Visvarupa-Darsana Yoga, Bhagwat Gita
7	लोकदर्शन, संस्कार एवं संस्कृति	Semester-I, III, Vth Sem. Sanskrit Under Graduation	Paper-1	प्रेरक कथाएं, संस्कार, धर्म, न्याय, व्यक्तित्व निर्माण, नीति, मानवीय मूल्य व सामाजिक दर्शन
8	मानव दर्शन व मानवीय मूल्य व	Semester VI Under Graduation	Paper-I	जीवन दर्शन

13/3/2024
Principal
Rajkiya Mahavidyalaya
Amori, Champawat-262523
Uttarakhand

Coordinator : NAAC
Rajkiya Mahavidyalaya Amori
(Champawat) Uttarakhand

DEGREE COURSE IN UG		
Programme: *Degree Course in ARTS- Hindi*	**Year: III**	**Semester: VI Paper-II**
Subject: Hindi		
CourseCode:	**Course Title:** लोक साहित्य	

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी साहित्य के लोकपक्ष का ऐतिहासिकतथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी लोक साहित्य के स्वरूप, अध्ययनकी प्रविधियों, संकलन प्रक्रिया आदि का प्रशिक्षण एवं ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी लोक संस्कृति का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी लोकगीतों के स्वरूप, उनके सामाजिक-सांस्कृतिकस्रोतोंतथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
5. शिक्षार्थी लोक नाट्य के स्वरूप, उसके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतोंतथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
6. शिक्षार्थी लोककथाओं के स्वरूप, उनके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतोंतथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
7. शिक्षार्थी लोकगाथाओं के स्वरूप, उनके सामाजिक-सांस्कृतिक स्रोतोंतथा विविध रूपों का ज्ञान प्राप्त करता है।
8. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित लोक साहित्य के अध्ययन द्वारा लोक का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits:5	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	**Min. Passing Marks: 10 +30 =40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	लोक-साहित्य : परिभाषा, स्वरूप, लोक संस्कृतिअध्ययन की प्रक्रिया, संकलन प्रविधि और समस्याएँ	15
Unit II	लोक-गीत : अर्थ एवं स्वरूप, संस्कार-गीत, व्रत-गीत, श्रम परिहार-गीत, ऋतु-गीत	12
Unit III	लोक-नाट्य : अर्थ एवं स्वरूप, विविध रूप–रामलीला, स्वाँग, यक्षगान, भवाई, नाच, तमाश, नौटंकी, जात्रा, कथकली	12
Unit IV	लोक-कथा : अर्थ एवं स्वरूप, प्रकार -व्रत-कथा, परीकथा, नाग-कथा, बोध-कथा, कथानक रूढ़ियाँ एवं अभिप्राय,	12
Unit V	लोक-गाथा : अर्थ एवं स्वरूप, उत्पत्ति, परम्परा, सामान्यप्रवृत्तियाँ, प्रसिद्ध लोक-गाथाएँ–राजुला-मालूशाही, गौरा-माहेश्वरी, तीलूरौतेली	14
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total-75

Suggested Reading:

1. लोकसाहित्य–सम्पादक :प्रो. चन्द्रकलारावत, देवभूमिप्रकाशन, हल्द्वानी(व्याख्या हेतु संकलित लोकसाहित्य)
2. लोक साहित्य की भूमिका :कृष्णदेवउपाध्याय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. लोक और शास्त्र – अन्वय और समन्वय :विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतीय लोक साहित्य :श्यामपरमार, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
5. लोक साहित्य का अध्ययन : डॉ. त्रिलोचन पांडेय

Coordinator : NAAC
Rajkiya Mahavidyalaya Amori
(Champawat) Uttarakhand

Principal
Rajkiya Mahavidyalaya
Amori, Champawat-262523
Uttarakhand

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme: *Certificate Course in ARTS-Hindi*		**Year: I Semester:I Paper-I**
Subject: Hindi		
CourseCode:	**Course Title:प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य**	

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आरम्भिक काल की कविता का ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी चंदबरदाई, जायसी व तुलसी के कृतित्व को समझने के क्रम में महाकाव्य विधा का शिल्पगत परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी आदिकालीन वीर काव्य का सैद्धान्तिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करताहै।
4. शिक्षार्थी निर्गुण काव्य धारा व संत साहित्य का सैद्धान्तिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।
5. शिक्षार्थी सूफी काव्यधारा, सगुण काव्यधारा तथा उसके अंतर्गत रामभक्ति तथा कृष्णभक्ति शाखा के महत्वपूर्ण काव्य का सैद्धान्तिक परिचय व ज्ञान सोदाहरण प्राप्त करता है।

Credits: 6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	**Min. Passing Marks: 10 +30 =40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	प्राचीन हिन्दी काव्य : परिचय एवं इतिहास	10
Unit II	भक्तिकालीन हिन्दी काव्य :भक्ति आन्दोलन,प्रमुख सिद्धान्त, निर्गुणकाव्य – ज्ञानमार्ग, प्रेममार्ग, सगुणकाव्य – रामभक्ति, कृष्णभक्ति, सूफीकाव्य	10
Unit III	चंदबरदाई और उनका काव्य (व्याख्या के लिए पृथ्वीराजरासो के पदमावती समय से चयनित कोई 10 अंश	10
Unit IV	कबीर और उनका काव्य (साखी से कोई 25 दोहे, जिनमें सभी अंगों का प्रतिनिधित्व हो। रमैनी से कोई 7 पद)	10
Unit V	जायसी और उनका काव्य	10
	(मानसरोदकखण्ड से 10 चयनित अंश)	
Unit VI	सूरदास और उनका काव्य (विनय के दस तथा भ्रमरगीत के दस चयनित पद)	10
Unit VII	तुलसीदास और उनका काव्य (श्रीरामचरितमानस के अयोध्या काण्ड से दस चयनित अंश तथा विनय पत्रिका के दस चयनित पद)	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total-90

Suggested Reading:

1.प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य- संपादक: डॉ. मानवेन्द्र पाठक, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित काव्य)

2.कबीर: एक नई दृष्टि- डॉ. रघुवंश, लोकभारती, 15एक, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद,

3. जायसी: एक नई दृष्टि- डॉ. रघुवंश, लोकभारती, इलाहाबाद,

4. जायसीतर हिंदी सूफी कवियों की बिम्बयोजना- डॉ. मृदुला जुगरान, सरिता बुक डिपो, नई दिल्ली।

5. जायसी- विजयदेव नारायण साही; हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:

Coordinator : NAAC
Rajkiya Mahavidyalaya Amori
(Champawat) Uttarakhand

Principal
Rajkiya Mahavidyalaya
Amori, Champawat-262523
Uttarakhand

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme: *Certificate Course in ARTS- Hindi*	**Year: I**	**Semester:II Paper-I**
Subject: Hindi		
CourseCode :	**Course Title: हिंदी कथा-साहित्य**	

Course Outcomes:

1. शिक्षार्थी हिन्दी की कथा परम्परा का परिचय व ज्ञान प्राप्त करता है।
2. शिक्षार्थी हिन्दीउपन्यास के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करता है।
3. शिक्षार्थी हिन्दीकहानी के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करता है।
4. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित उपन्यास के अध्ययन से उपन्यास विधा का शिल्पगत ज्ञान प्राप्त करता है।
5. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कहानियों के आधार पर कहानी विधा का शिल्पगत ज्ञान प्राप्त करता है।
6. शिक्षार्थी कथा-साहित्य की समीक्षा का ज्ञान प्राप्त करता है।

Credits: 6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internal) + 75 (External) =100	**Min. Passing Marks: 10 +30 =40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	हिन्दी में गद्य का आरम्भ : आधुनिककाल	10
Unit II	हिन्दी उपन्यास का उद्भव एवं विकास	10
Unit III	हिन्दी कहानी का उद्भव एवं विकास	10
Unit IV	हिन्दी उपन्यास का शिल्प	10
Unit V	हिन्दी कहानी का शिल्प	10
Unit VI	त्याग पत्र : जैनेंद्र	10
Unit VII	प्रतिनिधि हिन्दी कहानियाँ: उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, नमक का दरोगा – प्रेमचंद, आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद, पाजेब- जैनेन्द्र कुमार, परदा -यशपाल, दोपहर का भोजन – अमरकान्त, वापसी – उषा प्रियंवदा	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total-90

Suggested Reading:

1. कहानी सप्तक – संपादक: प्रो. नीरजा टंडन, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित कहानियाँ)
2. कहानी: नई कहानी- डॉ. नामवरसिंह, लोकभारती, 15-ए महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद,
3. हिंदी कहानी: पहचानऔरपरख- इंद्रनाथमदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास – इंद्रनाथमदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. कहानी: संवाद का तीसरा आयाम- बटरोही, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नईदिल्ली,
6. कहानी की रचना-प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव, लोक भारती प्रकाशन, 15-ए महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद
7. समकालीन हिंदी कहानी- गंगा प्रसाद विमल (सं.), मैकमिलन, दिल्ली।

Suggested Online Link:

Coordinator : NAAC
Rajkiya Mahavidyalaya Amori
(Champawat) Uttarakhand

Principal
Rajkiya Mahavidyalaya
Amori, Champawat-262523
Uttarakhand

Diploma in POLITICAL THEORY AND PRACTICE		
Programme: *Diploma in POLITICAL THEORY AND PRACTICE*	**Year: II**	**Semester: IV Paper-I**
Subject: Political Science		
Course Code: PS202MT	**Course Title: Indian Political System**	
Course Outcome: Acquaintance to Indian National Movement & Constitution is indispensable for a student to make a sense of Indian Political System. The course is designed to provide an overview of Indian freedom Struggle and key concepts of the Indian constitution to the student, which would evolve him into a conscientious citizen.		
Credits: 6	**Core Compulsory**	
Max. Marks: 100	**Min. Passing Marks: 33**	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	Basic Features of Indian Constitution: Preamble, Fundamental Rights, Fundamental Duties, Directive Principles of State Policy	15
Unit II	The Indian Parliament; Lok Sabha and Rajya Sabha	15
Unit III	The Executive; The President, The Prime Minister and The Cabinet	
Unit IV	Indian Judicial System: Judicial Review and Judicial Activism.	10
Unit V	Dynamics of State Politics: Centre-State Relations	15
Unit VI	Party System in India and Electoral Behavior	10
Unit VII	Issues: Caste, Class, Gender, Region in Indian Politics	10
Unit VIII	Problems of Nation Building: Terrorism, Insurgency, National Integration in Indian Politics	10

Coordinator : NAAC
Rajkiya Mahavidyalaya Amori
(Champawat) Uttarakhand

Principal
Rajkiya Mahavidyalaya
Amori, Champawat-262523
Uttarakhand

सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के परिसरों, सम्बद्ध महाविद्यालयों/संस्थानों में

NEP- 2020 के अर्न्तगत B.A./B.Sc./B.Com. कक्षाओं में सह–पाठ्यचर्या का अनिवार्य चयन

CO-CURRICULAR STUDIES

B.A./B.Sc./B.Com.

S. NO.	CO-CURRICULAR COURSE	Semester Allotted
1.	COMMUNICATION SKILLS	I SEMESTER
2.	ENVIRONMENT STUDIES AND VALUE EDUCATION	II SEMESTER
3.	MANAGEMENT PARADIGMS FROM BHAGAVAD GITA	III SEMESTER
4.	VEDIC STUDIES	IV SEMESTER
5.	MEDITATION	V SEMESTER
6.	VIVEKANAND STUDIES	VI SEMESTER

Coordinator : NAAC
Rajkiya Mahavidyalaya Amori
(Champawat) Uttarakhand

Principal
Rajkiya Mahavidyalaya
Amori, Champawat-262523
Uttarakhand

Program/Class: Diploma/BA	Year: Second	Semester: Third
Subject: Education		
Course Code: EDU-303SDP	**Course Title: Environmental Studies**	

Course Learning Outcomes

On completion of this course, learners will be able to:

1. To enable the students to understand the concept, scope and importance of environmental education.
2. To enable the students to understand the programmes of environmental education at different levels of education.
3. To make the students aware of environmental stressors and knowledge on disaster management education.

Credits: 3	**Core Compulsory/ Optional**
Max. Marks: 25+50=75	**Min. Passing Marks:25**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): P-3/w

Unit	Topics	No. of Lectures
I	Environment - Concept and Importance 1. Concept and Definition of Environment 2. Components of the Environment and their Importance on Human Life 3. Environmental Degradation and its Consequences	15
II	Environmental Education- Nature and Objectives 1. Nature, Scope and Objectives of Environmental Education 2. Importance of Environmental Education and Sustainable Development 3. Environmental Education at Different Levels—Primary, Secondary and Higher	15
III	Role of Agencies in Environment Protection 1. Role of Informal Education Agencies in Environment Protection 2. Awareness and attitude change through formal education 3. Role of Formal and Non-Formal education 4. Role of NGO	15

Coordinator : NAAC
Rajkiya Mahavidyalaya Amori
(Champawat) Uttarakhand

Principal
Rajkiya Mahavidyalaya
Amori, Champawat-262523
Uttarakhand

MANAGEMENT PARADIGMS FROM BHAGAVAD GITA

Programme: Under Graduation	Year:2	Semester: 3

Subject: Co-curricular Course

CourseCode: CCS 03	Course Title: Management Paradigms from Bhagavad Gita

BusinessManagementcurriculumprovidesavarietyoftheoreticalinputsthatenablesan individualtotakedecisionsforeffectiverunningofanorganization.Inthecurrentsituationthesesinputsarecharacterized bytwopeculiaraspects.Firstly,thesearebased mainly on the western paradigm of the "world view". While this is one aspect of the knowledge,itisworthwhiletounderstandalternative"worldviews".Secondly,thecurrent managementtheoriesarebyandlargeprescriptionsforthebusinessorganizations.Even whenissuespertainingtoindividualsareaddressed,theyareinthecontextoforganizational performance. For instance, theories on motivation are developed to improve the organizational performance. This overwhelming focus on organizations has over time pushedthe"individuals"totheresidualintheequations.Itisincreasinglyfeltthatthecurrentideasdonotadequatelycover alltheissuesofmajor concerntoindividualsandorganizations.Manyfeelthe needforalternativeperspectiveson theproblemsandpossiblesolutions.AncientIndianwisdomhassetoffideasthatpresenta differentperspectiveoftheproblemsthatindividualsandorganizationsfaceandproposes alternativewaysofunderstandingseveralaspectspertainingtothedomainofmanagement. This course is an attempt to bring these perspectives using Bhagavad Gita as themain referenceframeforcullingoutideasfromAncientIndianwisdom.

The course is designed with the following main objectives:

- Toidentifysomeofthecommonlyfeltproblemsthatindividuals,organizationsand the societyfaces
- ToillustratetheusefulnessofGitainaddressingsomeoftheseproblems
- Todemonstratehowalternativeworldviewsandparadigmsofmanagementcould bedevelopedwithaknowledgeofAncientIndianwisdomsuchasGita
- ToprovideagoodintroductiontoAncientIndianwisdomusingGitaasavehicle

Credits: Nil	Core Compulsory
Max. Marks: 100	Min. Passing Marks:40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	**Spirituality in Business and Workplace** Current Challenges in Business Management & Society RelevanceofAncientIndianWisdomforcontemporarysociety Spirituality in Business The notion ofSpirituality An introduction to Bhagavad Gita & its relevance **Assignment:** Read five chapters of Bhagwat Gita for Group Discussion. Chapter 1: Visada Yoga Chapter 2: Sankhya Yoga Chapter 3: Karma Yoga Chapter 4: Jnana Yoga	07

Coordinator : NAAC
Rajkiya Mahavidyalaya Amori
(Champawat) Uttarakhand

Principal
Rajkiya Mahavidyalaya
Amori, Champawat-262523
Uttarakhand

	Chapter 5: Karma Vairagya Yoga	
Unit II	**Perspectives on Leadership and Work** Failed Leadership: Causes & Concerns Leadership Perspectives in the Gita[1] Axioms of Work & Performance The Notion of Meaningful Work **Assignment:** Read five chapters of Bhagwat Gita for Group Discussion. Chapter 6: Abhyasa Yoga Chapter 7:ParamahamsaVijnana Yoga Chapter 8: Aksara-Parabrahman Yoga Chapter 9: Raja-Vidya-Guhya Yoga Chapter 10: Vibhuti-Vistara-Yoga	**08**
Unit III	**Perspectives on Self-Management** Mind as a key player in an individual Meditation as a tool for self-management Role of Yoga in addressing stress & burnout of managers Mind as a key player in an individual Self-Management by understanding the world within Values & their role in Self-management Shaping the personality through Trigunas **Assignment:** Read five chapters of Bhagwat Gita for Group Discussion. Chapter 11: Visvarupa-Darsana Yoga, Chapter 12: Bhakti Yoga, Chapter 13: Ksetra-KsetrajnaVibhaga Yoga Chapter 14:Gunatraya-Vibhaga Yoga Chapter 15:Purusottama Yoga	**07**
Unit IV	**Perspectives on Life and Society** Perspectives on Sustainability Death as a creative destruction process Law of Conservation of Divinity Conclusions **Assignment:** Read five chapters of Bhagwat Gita for Group Discussion. Chapter 16: Daivasura-Sampad-Vibhaga Yoga Chapter 17:Sraddhatraya-Vibhaga Yoga Chapter 18:Moksa-Opadesa Yoga	**08**

सत्र 2019–20 से प्रभावी
स्नातक (बी0ए0) (प्रथम सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)
संस्कृत साहित्य
1/1 प्रथम प्रश्न पत्र–नीतिकाव्य एवं व्याकरण

पूर्णांक 75 (55+20)

1. नीतिशतकम्, भर्तृहरि 1–50 श्लोक पर्यन्त
2. हितोपदेश, मित्रलाभ (प्रारम्भिक दो कथायें)
3. व्याकरण – संज्ञा एवं सन्धि प्रकरण (लघुसिद्धान्त कौमुदी)

- 20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

Coordinator : NAAC
Rajkiya Mahavidyalaya Amori
(Champawat) Uttarakhand

Principal
Rajkiya Mahavidyalaya
Amori, Champawat-262523
Uttarakhand

सत्र 2020–21 से प्रभावी

स्नातक (बी0ए0) (तृतीय सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

संस्कृत साहित्य

3/2 द्वितीय प्रश्नपत्र – संस्कृतगद्यकाव्य एवं भारतीयसंस्कृति

पूर्णांक 75 (55+20)

1. शिवराजविजयम्, अम्बिकादत्त व्यास, प्रथम विराम, द्वितीय निःश्वास
2. हर्षचरितम्, बाणभट्ट, प्रथम उच्छवास–(प्रारम्भ से सावित्री सहित सरस्वतीके मर्त्यलोक आगमन तक–ब्रह्मलोकतः सावित्रीद्वितीया निर्जगाम पर्यन्त)
3. भारतीय संस्कृति – भारतीय संस्कृति की विशेषताएं, पच महायज्ञ, संस्कार, पुरुषार्थ चतुष्टय, वर्णाश्रम व्यवस्था।

- 20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

सत्र 2021–22 से प्रभावी

स्नातक (बी0ए0) (पंचम सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

संस्कृत साहित्य

5/2 द्वितीय प्रश्न पत्र – स्मृति साहित्य

पूर्णांक 75 (55+20)

1. मनुस्मृति, सप्तम अध्याय
2. याज्ञवल्क्य स्मृति, प्रथम आचार अध्याय–गृहस्थधर्म प्रकरण श्लोक 97–128 पर्यन्त
3. स्मृति साहित्य परिचय

- 20 अंक का आन्तरिक मूल्याकन होगा।

स्नातक (बी0ए0) (षष्ठ सत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

संस्कृत साहित्य

6/2 द्वितीय प्रश्न पत्र – उपनिषद् एवं भगवद्गीता

पूर्णांक 75 (55+20)

1. कठोपनिषद्, प्रथम अध्याय
2. भगवद्गीता, द्वितीय अध्याय
3. दशोपनिषद् परिचय– ईश, केन, कठ, मुण्डक, माण्डूक्य, छान्दोग्य, वृहदारण्यक, तैत्तिरीय, ऐतरेय एव प्रश्नोपनिषद्।

- 20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

Coordinator : NAAC
Rajkiya Mahavidyalaya Amori
(Champawat) Uttarakhand

Principal
Rajkiya Mahavidyalaya
Amori, Champawat-262523
Uttarakhand